पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर रामकृष्ण मठ में क्षेत्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन

लखनऊः 30 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज स्वामी विवेकानंद की 152वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में रामकृष्ण मठ, लखनऊ द्वारा आयोजित क्षेत्रीय युवा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए युवाओं से कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को सामने रखकर अपने व्यक्तित्व में सुधार लायें। विचार को आचार से जोड़ना जरूरी है। अपनी संस्कृति के बारे में मन में विश्वास पैदा करें। आजकल लोगों की कथनी और करनी में बहुत फर्क होता है। उन्होंने कहा कि युवा यह महसूस करें कि उनका जीवन देश के हित के लिये हो।

श्री नाईक ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति की सुगंध को विदेशों में बिखेरने का संकल्प लिया था। स्वामी जी ने शिकागों के सर्वधर्म सम्मेलन में कहा था कि भारत किसी धर्म का विरोध नहीं करता। हर धर्म का रास्ता ईश्वर की ओर जाता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा पूरे विश्व के सामने रखी।

राज्यपाल ने कहा कि यह संयोग है कि आज बलिदान दिवस है, विश्व कुष्ठ निवारण दिवस भी है और रामकृष्ठ मठ द्वारा स्वामी जी की जयंती के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कुष्ठ पीड़ितों की स्थिति दयनीय है। भिक्षा पर उनकी जिन्दगी व्यतीत होती है। गांधी जी को कुष्ठ पीड़ितों की सेवा करना बहुत प्रिय था। उन्होंने कहा कि कुष्ठ पीड़ितों को समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास होना चाहिए।

श्री नाईक ने कुष्ठ निवारण दिवस के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा कुष्ठ पीड़ितों का निर्वहन भत्ता रूपये 2,500 मासिक किये जाने पर राज्य सरकार को बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कुष्ठ पीड़ितों की व्यथा को बार-बार दोहराने के पीछे उनका मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा लोग कुष्ठ पीड़ितों के कल्याणार्थ आगे आयें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सही समय और उचित दिन पर कुष्ठ पीड़ितों के लिये निर्वहन भत्ता बढ़ाये जाने का निर्णय लिया है।

हिमांचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री, श्री शांता कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने देश के स्वाभिमान को जगाया तथा आजादी की पृष्ठभूमि तैयार की। स्वामी जी ने दरिद्र को देव बताया तथा वे देश के युवाओं को चरित्रवान, देशभक्त एवं तेजस्वी बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि देश का विकास तो हुआ है पर सामाजिक न्याय नहीं हुआ है।

कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें तथा स्वामी मुक्तिनाथानंद ने स्वागत भाषण दिया।

Swami Vivekananda's 152 Birth Anive
Regional Youth Convention

Swami Vivekananda's 152 Birth
Regional Youth Conve